**Поэма Н.А. Некрасова "Кому на Руси жить хорошо".**

1863 \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ 1877

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| *Задача*: | | | | |  | *Цель*: | | | |
| показать Русь снизу доверху до и после реформы. | | | | |  | осмыслить опыт борьбы за свободу, разобраться в сущности народного характера. | | | |
| *Пролог* - программа действий | | | | | | |
|  | | | | |  |  | | | |
|  | | | | |  |  | | | |
| *Цель путешествия*: "Кому живется счастливо, вольготно на Руси". | | | | | | | | | |
|  | | | | |  |  | | | |
| *Главный конфликт поэмы*. | | | | | | |
|  | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | |
| "*Дольщики*": | |  | "*Народное море*": | | | | | |
|  | |  |  | | | | | |
|  | |  |  | | | | | |
| духовенство, | |  | холопы | | | протестанты | русская женщина | |
| чиновники, | |  | Ипат, | | | правдоискатели, | Матрена | |
| помещики: | |  | Яков, | | | Яким Нагой, | Тимофеевна | |
| Оболт-Оболдуев, | |  | Шутов, | | | Ермил Гирин, | Корчагина | |
| Утятин-Последыш, | |  | Глеб | | | Савелий |  | |
| Шалашников, | |  |  | | |  |  | |
| Фогель, | |  |  | | | Народный заступник | | |
| Глуховский. | |  |  | | |  |  | |
|  | |  |  | | |  |  | |
|  | |  |  | | | Григорий Добросклонов | | |
|  | |  |  | | |  |  | |
|  | |  |  | | |  |  | |
| *Понимание счастья, долга*. | | | | | | |
|  | | | | | | | | | |

Тому живется хорошо на Руси, кто борется за освобождение народа.

Приложение